भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान,
क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच

जी-20 साइड इवेंट के तहत "महिला नेतृत्व विकास" के लिए अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए एक दिवसीय महिला किसान-वैज्ञानिक संवाद तथा प्रशिक्षण

"कृषि तथा जीविका के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण"

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच द्वारा भारत सरकार की अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत तथा जी-20 साइड इवेंट के तहत "महिला नेतृत्व विकास" के लिए अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए एक दिवसीय महिला किसान-वैज्ञानिक संवाद तथा प्रशिक्षण प्रदान किया गया| इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति के किसानों का सामाजिक तथा आर्थिक विकास करना है, जिसके तहत संस्थान के द्वारा समय-समय पर अनेक प्रकार के प्रयास किये जाते है| इसी प्रकार जी 20 साइड इवेंट के तहत महिलाओं में नेतृत्व की क्षमता का विकास करने के लिए अनेक प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं| इसी क्रम में यह कार्यक्रम "कृषि तथा जीविका के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण" जम्बूसर तालुका के ग्राम-अणखी में दिनांक 04 मई, 2023 को आयोजित किया गया| इस प्रशिक्षण में अणखी गाँव से 22 किसान महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया| प्रशिक्षण में किसानों को कृषि तथा जीविका से सम्बंधित अनेक प्रकार की वैज्ञानिक तथा तकनीकी जानकारी देकर उनका ज्ञानवर्धन किया गया| संस्थान के अधिकारी श्रीमती प्रज्ञा पारेख तथा श्री चंपक तावियाड द्वारा किसानों का प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण किया गया| कार्यक्रम की शुरुआत कृषि परिषद् गीत के साथ हुई| प्रशिक्षण में सर्वप्रथम संस्थान के वैज्ञानिक डा. मोनिका शुक्ला द्वारा सभी का स्वागत करते हुए इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी महिलाओं को दी गयी| उन्होंने अनुसूचित जाति उपयोजना ,जी 20 साइड इवेंट, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् तथा संस्थान के बारे में विस्तृत में महिलाओं को बताया| इसके पश्चात कार्यक्रम के अतिथि वक्ता, कृषि कॉलेज भरूच से आई हुई डा. वैशाली सुर्वे, सहायक प्राध्यापक (शस्य विज्ञान) द्वारा "कृषि में महिलाओं की भागीदारी तथा कृषक महिलाओं का सशक्तिकरण" तथा डा. दिनिशा बिसारिया, सहायक प्राध्यापक (पौध प्रजनन तथा अनुवांशिकी) द्वारा "ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार तथा आय के साधन" पर व्याख्यान दिया गया| इसके बाद संस्थान के वैज्ञानिक डा. सागर विभुते द्वारा "महिलाओं के लिए परिवर्तित कृषि उपकरण तथा संयंत्र" के बारे में महिलाओं को जानकारी दी गयी| तत्पश्चात डा. मोनिका शुक्ला द्वारा अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 को ध्यान में रखते हुए महिलाओं को "श्रीअन्न तथा भारतीय रसोई में इनका स्थान तथा महत्त्व" के बारे में जागरूक किया गया| संस्थान की सहायक के पद पर कार्यरत श्रीमती प्रज्ञा पारेख द्वारा "घर की अर्थव्यवस्था में महिलाओं का योगदान" पर बात की गयी| संस्थान की तकनीशियन के पद पर कार्यरत कु. आकांक्षा विश्वकर्मा द्वारा "देश के विकास में महिलाओं की शिक्षा का महत्त्व" के बारे में महिलाओं को जागरूक किया गया| अंत में डा. सागर विभुते द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया तथा राष्ट्रगान तथा मध्यान भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ|

जी-20 साइड इवेंट के तहत "महिला नेतृत्व विकास" के लिए
महिला किसान-वैज्ञानिक संवाद तथा प्रशिक्षण
"कृषि तथा जीविका के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण"
दिनांक: 04 मई, 2023 ग्राम: अणखी
आयोजक:
भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच
वित्तपोषित: अनुसूचित जाति उपयोजना, भारत सरकार

MILLETS OF INDIA
भारत के मिलेट्स
"कृषि तथा जीविका के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण"

जी-20 साइड इवेंट के तहत "महिला नेतृत्व विकास" के लिए
महिला किसान-वैज्ञानिक संवाद तथा प्रशिक्षण
"कृषि तथा जीविका के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण"
दिनांक: 04 मई, 2023 ग्राम: अणखी
आयोजक:
भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच
वित्तपोषित: अनुसूचित जाति उपयोजना, भारत सरकार

जी-20 साइड इवेंट के तहत "महिला नेतृत्व विकास" के लिए
महिला किसान-वैज्ञानिक संवाद तथा प्रशिक्षण
"कृषि तथा जीविका के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण"
दिनांक: 04 मई, 2023 ग्राम: अणखी
आयोजक:
भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच
वित्तपोषित: अनुसूचित जाति उपयोजना, भारत सरकार